

10⁴
17

अभिभाषकगण उपस्थित। पीतासीन अधिकारी
अन्य कार्य/पुनर्वाचन कार्य में व्यस्त है। पत्रावली
दिनांक 28.9.19 को पेश हो।

26⁴
19

अभिभाषकगण उपस्थित। पीतासीन अधिकारी
अन्य कार्य/पुनर्वाचन कार्य में व्यस्त है। पत्रावली
दिनांक 19.6.19 को पेश हो।

15⁶
19

अभिभाषकगण उपस्थित। पीतासीन अधिकारी
अपकाश पर है। अन्य कार्य/पुनर्वाचन कार्य में
व्यस्त है पत्रावली दिनांक 18.8.19 को पेश हो।
दिनांक 18.8.19 को पेश हो।

16.8.19

अभिभाषकगण उपस्थित। पीतासीन अधिकारी
अन्य कार्य/पुनर्वाचन कार्य में व्यस्त है। पत्रावली
दिनांक 23.8.19 को पेश हो।
दिनांक 23.8.19 को पेश हो।

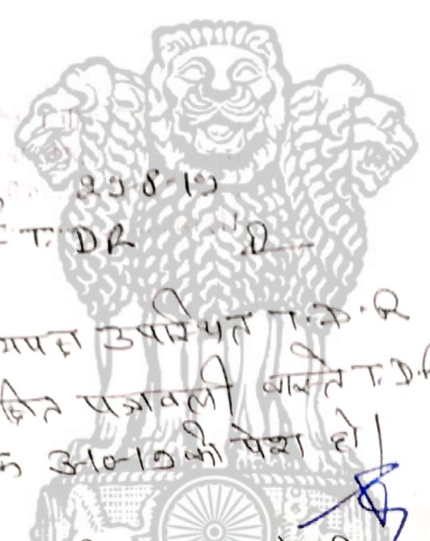
23-8-19 वकील उभयपक्ष उपस्थित न.के.र
रिपोर्ट अपेक्षित पत्रावली दिनांक 23.8.19
रिपोर्ट दिनांक 31-10-19 को पेश हो।

03.10.2019

उभयपक्ष के अधिवक्ता उपस्थित उभयपक्ष के अधिवक्ता
को सुना गया उभयपक्ष के अधिवक्ता द्वारा कथन किया
गया कि प्रकरण में पक्षकारान का राजीनामा हो चुका है
इस कारण श्रीमान् न्यायालय द्वारा पूर्व में स्वीकृत रास्ते
के सन्दर्भ में अब कोई विवाद नहीं है, इस कारण
तहसीलदार हनुमानगढ़ से पूर्व में प्राप्त रिपोर्ट को ही
अवलोकन किया जाकर रास्ता स्वीकृत किया जावे जो
पक्षकारान को कोई उजर एतराज नहीं है।

उभयपक्ष के कथनों पर मनन किया जाकर
पत्रावली का अवलोकन किया गया बाद अवलोकन पाया
गया कि इस न्यायालय द्वारा दिनांक 13.06.2017 को
चक 15 जे.डी.डब्ल्यू. के पत्थर नम्बर 49/241 (71)
किला नम्बर 5, 6 में दक्षिणी तरफ दो दो गड़ठा रास्ता
जो मौके पर चालू है, को स्वीकार किया जाकर रास्ते
के बदले भूमि या डी.एल.सी. दर की दुगपी राशी जमा
होने पर रास्ते का राजस्व अभिलेख में अमल दरामद
करने के आदेश पारित किये गये थे

उक्त आदेश से अप्रार्थीगण व्यथित होकर श्रीमान्
राजस्व अपील प्राधिकारी हनुमानगढ़ के न्यायालय में
अपील प्रस्तुत करने पर श्रीमान् राजस्व अपील अधिकारी
महोदय हनुमानगढ़ के आदेश दिनांक 13.09.2018 के
द्वारा इस न्यायालय के आदेश को निरस्त करते हुए आर.
टी.ए. 1955 के नियम 69 के प्रावधानानुसार मौका
निरीक्षण कर प्रभावित पक्षकारान को सुना जाकर निर्णय
पारित करने के आदेश पारित किये गये।



Official

राजस्व अपील प्राधिकारी
हनुमानगढ़

लगाता

माननीय राजस्व अपील अधिकारी महोदय हनुमानगढ़
आदेश दिनांक 13.09.2018 के विरुद्ध माननीय राजस्व मण्डल
राजस्थान अजमेर में निगरानी प्रस्तुत की गई जो दिनांक
30.01.2019 को विद्वा किया जाकर इस न्यायालय में दिनांक
08.03.2019 को अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत
निवेदन किया कि माननीय राजस्व मण्डल राजस्थान अजमेर
में प्रस्तुत की गई जो निगरानी को विद्वा लिया गया है
प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अनुसार रास्ता
स्वीकृत किया जाता है, तो कोई उजर एतराज नहीं है।

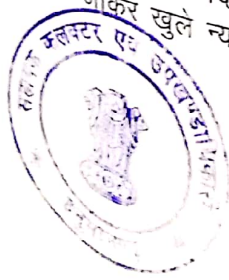
प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जाकर निवेदन
किया गया कि प्रार्थी को चक 15 जे.डी.डब्ल्यू के पत्थर नम्बर
49/241(71) किला नम्बर 15 ता 24 में आवागमन के लिये
अप्रार्थीगण की भूमि पत्थर नम्बर 49/241 (71) किला नम्बर
5 व 6 की पूर्वी दिशा में उत्तर से दक्षिण में 2-2 बिस्वा कुल
4 बिस्वा रास्ता स्वीकृत कर राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जावे
व अप्रार्थीगण के राजस्व रिकार्ड में प्रार्थी के रकबा पत्थर
नम्बर 49/241(71) किला नम्बर 17, 18, 19, 20 में से 1-1
बिस्वा कुल 4 बिस्वा कम करते हुए दर्ज किया जावे।


अतः उभयपक्ष की सन्मति के अनुसार राजस्थान
कारतकारी अधिनियम 1955 की धारा 251क के अन्तर्गत प्रार्थी
को चक 15 जे.डी.डब्ल्यू के पत्थर नम्बर 49/241(71) किला
नम्बर 15 ता 24 में आवागमन के लिये अप्रार्थीगण की भूमि
पत्थर नम्बर 49/241 (71) किला नम्बर 5 व 6 की पूर्वी
दिशा में उत्तर से दक्षिण में 2-2 बिस्वा कुल 4 बिस्वा रास्ता
स्वीकृत किया जाता है तथा रास्ते की भूमि के मुआजा स्वरूप
प्रार्थी के रकबा पत्थर नम्बर 49/241(71) किला नम्बर 17,
18, 19, 20 में से 1-1 बिस्वा कुल 4 बिस्वा कम करते हुए
अप्रार्थीगण के नाम दर्ज किये जाने के आदेश प्रदान किये
जाते हैं।

तहसीलदार हनुमानगढ़ को आदेशित किया जाता है कि
उक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में गैर मुमकिन रास्ता व रास्ता के
बदले मुआजा की भूमि का राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया
जाना सुनिश्चित करें।

निर्णय की प्रति तहसीलदार (राजस्व) हनुमानगढ़ को
पालना हेतु भिजवाई जावे। पत्रावली निर्णय शुमार होकर नम्बर
से कम की जाकर बाद तकमील दफ्तर दाखिल हो।

आदेश आज दिनांक 03.10.2019 को मेरे द्वारा
लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(कपिल यादव)
उपखण्ड अधिकांकी हवम
पदेन सहायक

